REGISTERED No. 12 0.23



# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 38]

नई बिल्ली, शनिवार, प्रक्तूबर 3, 1981/ ग्राश्विम 11, 1903

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3, 1981/ASVINA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जितसे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

> भाग II—इण्ड 3—उप-इण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्यक्षत्र प्रशासनीं को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

# भारत निर्वाचन आयोग अधिसूचना

नई बिम्ली, 25 मई, 1981

आर०अ० 1201.— लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की घारा 116 ग के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, सन् 1977 की निर्वाचन प्रशिंसं० 1 में दिए गए गौहाटी उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा 1978 की सिविल अपील सं० 321 (एन सी दी) में दिए गए नारीख 17 मार्च, 1981 का निर्णय एनदहारा प्रकाशित करना है।

[सं० 82/बसम-लो०स०/1/77]

### **ELECTION COMMISSION OF INDIA**

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 1981

O.N. 1201.—In pursuance of section 116C of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the order, dated the 17th March, 1981, of the Supreme Court of India in Civil Appeal No. 321 (NCE) of 1978 against the order the Gauhati High Court in Election Petition No. 1 of 1977.

IN THE SUPREME COURT OF INDIA CIVIL APPELLATE JURISDICTION Civil Appeal No. 321 (NCE) of 1978

Dulai Chandra Barua

....Appellant.

Tarun Chandra Gogi and Anr.

.... Respondents.

# ORDER

Learned counsel for the appellant and the respondents agree that the appeal has become infructuous and may accordingly be dismissed. The appeal is dismissed with no order as to costs.

Sd/-

Y. V. CHANDRACHUD.

Sd/-A. P. SEN.

New Delhi,

March 17, 1981.

INo. 82/AS-HP/1/77]

(629)

728 GT/RI

#### श्रादेश

# नर्ड दिल्ली, 15 जुन, 1981

भा० ७० 1202.—यनः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-जहानाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनान लड़ने वाले उस्मीदवार श्रार गणेश प्रसाद सिंह, ग्राम सिघोल, पो० बेसनगंज, जिला गया, बिहार, शोक प्रतिनिधित्व श्रिधित्यम, 1951 सथा नदीन बनाए गए नियमीं हारा श्रिपेक्त श्रपने निर्वाचन ष्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं।

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उन्ने सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, श्रपनी इस श्रसफलना के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस श्रसफलका के लिए। कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है;

. धतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायीय एतव्द्वारा उक्त श्री गणेण प्रमाद सिंह को संगद के किसी भी सबस के या किसी राज्य की विधान सभा श्रधवा विधान परिषद के सकस्य कुने जाने श्रीर होने के लिए इस ब्रादेश की तारीक में तीन वर्ष के काला-विध के लिए निर्टित घोषित करता है।

[मं० बिहार-लो० म० /41/80(25)]

#### **ORDERS**

#### New Delhi, the 15th June, 1981

O.N. 1202.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ganesh Prasad Singh, Village Singhaul, P.O. Belagani, District Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in January, 1980 from 41-Jehanabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Ganesh Prasad Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/41/80(25)]

# नई विल्ली, 17 अगस्त, 1981

भा० भा० 1203:—यतः, निविचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरि, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निविचन के लिए 50-जमशेवपुर संसदीय निर्वाचन केते से चुनाव लखने वाले उम्मी-दबार श्री सिन सरवार, प्राप्त कुलडीहा, पोस्ट बुगनी, धाना सरकेना, सिह्मूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व भ्रिधित्यम, 1951 तथा तब्धीन बनीए गए नियमों द्वारा श्रीकित समय के श्रावर तथा रीति से भ्रपने निविचन भ्रयों का लेखा वाकिल करने में भ्रसफल रहे हैं।

भीर यतः, जनत उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस प्रसफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायीग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्योग्य कारण या न्यायौजित्य नहीं है,

शतः, प्रव, उक्त प्रधितिथम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री मिलू सरवार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने श्रीर हाने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहेंन घोषित करता है।

[म० बिहार-लो०स०/50/80/(28)]

## New Delhi, the 17th August 1981

O.N. 1203.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Millu Sardar, Vill. Kuldiha, P.O. Duguni, P. S. Seraikella, Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 50-Jamshedpur Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Millu Sardar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/50/80(28)]

आ े अ ० 1204:— यनः निर्वाचन प्रामीग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-जमगोवपुर संस्वीय निर्वाचन केल से चनाव नहने वाले उम्मीववार श्री जे० के० प्रसाव, मार्फेन की ही गी ० सिन्हा, क्वाटर नं० 33, तास रोष्ट नं० 20, पो० ध्राजाद मार्फेन, हेवो कालोनी, जमशेदपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के ग्रस्वर तथा गीन से ग्रयने निर्वाचन ध्ययों का लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं।

ग्रीर यतः, उपत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस ग्रमफसता के लिए कोई कारण अथवा स्परीकरण नहीं दिया है भीर, निर्वाचन धारोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ध्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है,

ग्रतः, अब, ल्वत ग्राधितयम की धरा 10-क के ग्रमुसरण में निर्वाचन ग्रामोग एतब्द्वारा उक्त श्री जेवकेव प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयचा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेश की तारीख ने तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्माहत श्रीपित करना है।

[सं० बिहार-लो०स०/50/80/(29)]

O.N. 1204.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri J. K. Prasad, C/o Shri D. P. Sinha, Qr. No. 33, Cross Road No. 20, Post Azad Market, Teko Colony, Janishedpur (Bihar) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 50-Jamshedpur Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri J. K. Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/50/80(20))

आ०% 1205.— यत, निर्वाचन अत्योग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 296-मझगांव (अ०ज०जा०) निर्याचन केव से चुनाव लड़ने बाले उस्मीववार आ गोवर्धन नायक, ग्राम छोटा राईकामन, पास्ट धर्करी, जिला सिहभूम (बिहार), लोक प्रतिनिधित्य, 1951 तथा तक्ष्मान बनाए गण नियमो द्वारा अपेक्षिन समय के अन्तर नथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों को लेखा वाखिल करने में अगकल रह हैं.

भीर यत, उक्त उम्मीदवार द्वारा किं, गए श्रन्यावदन पर विचार करने के पश्चास् निर्याचन श्रायाग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रात श्राय, उसन ग्राधीनयम का धारा 10-क के मनुसरण म निर्धा-चन श्रायोग एतद्वारा उस्त श्री गोवर्धन नायक का संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य का विधान सभा श्रयमा विधान परिषद के सदस्य चुन जाने श्रीर हीने के लिए इस श्रादेश की नारीख से नान वर्ष की कालाबधि के लिए निर्दाटन घाष्ट्रम करना है।

[मं० चिहार-मि०भ०/296/80(182)]

O.N.1205.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gowardhan Nayak, Vill. Chota Rlikaiman, P.O., Andheti, Distt, Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 296-Majhgion (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gowardhan Nayak to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/296/80(182)]

# नई दिल्ली, 3 मितम्बर, 1981

आ०अ० 1206 — यत , निर्वाचन ग्रायोंग का समाधान हा गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान मधा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 290-जगसलाई (ग्र०जा०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार थीं कानिक कुमार, 632, गाडाबामा, पीं० गोलम् मीं, जिला निहमूम (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व श्रीक्षनियम, 1951 नथा तब्धान बमाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं:

श्रौर, अन , उक्त उम्मीदत्रार द्वारा दिए गए श्रम्यावेदन पर विचार करने के पश्चाम् निर्धाचन श्रायीग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिन्य मही है;

अन. अब, उक्न प्रिक्षितियम की धारा 10-क के प्रनूसरण में निर्वाधन भाषोग एतद्द्वारा उक्त भी कार्तिक कुमार को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश का तारीख़ से तीन वर्ष की कालाशिध के लिए निरिहित शीषित करना है।

[सं० विहार-वि०स०/290/80(214)]

प्रादेश म

सतीश **भवा जैन, शबार सम्बर्ग** भारत मिर्बाघन श्रायोग

#### New Delhi, the 3rd September, 1981

O.N. 1206.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kartik Kumar, 632-Garabasa, P.O. Golmui, Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 290-lugsalai (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kartik Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/290/80(214)]

By Order,

S. C. JAIN, Under Secy.,

Election Commission of India

#### आवेश

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1981

आ अर्थ 1207.--यत, निर्वाधन धायोग का समाधान हा गया है कि मर्ड. 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 14-लहार निर्वाधन-केल से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदकार श्री छिंह, प्रमाद, चिठली लहार, जिला भिण्ड (मध्य प्रदेश), लीक प्रतिनिधिस्य प्रधिनियम, 1951 नया नद्धीन बनाए गए नियमो हारा ध्रवेक्षित समय के भन्दर नथा रीमि से धाने निर्याचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में अस्पान रहे है.

प्रीर यत, जनत उस्मायनार द्वारा विए गए प्रथमनिवत पर विचार करने के पश्चान् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रशक्तता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासीचित्य नहीं है,

भन , श्रव, जन्म श्रांधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायाग एतद्वारा उक्त श्री छिद् प्रसाद का समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से नान वर्ष की कालावधि के लिए निर्सित घोषिन करना है।

[स॰ म॰ प्र॰-चि॰म॰/14/80(158)]

#### **ORDERS**

New Delhi, the 30th July, 1981

O.N. 1207.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhiddu Prasad, Chiruli, Lahar, Distt, Bhind (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 14-Lahar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhiddu Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/14/80(15)

# नई दिल्ली, 6 धगस्त, 1981

भीर यतः, उक्त उम्भीदवार ने, सम्यक् सूचता विए जाने पर भी, इस भ्रसफलता क लिए की कारण भ्रथवा स्पर्धीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहां है;

ग्रनः मन, जन्म प्रधिनियम ना धारा 10-न के अनुसरण में निवाचन आयोग एसबुद्धारा उन्स श्री संत्याभ का संसद के किसी भा सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अयवा निधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० म०९०-वि०स०/2/80(183)]

#### New Delhi, the 6th August, 1981

O.N. 1208.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sant Das, Ward No. 7. Bijeypur, Tahsil Bijeypur, District Morena (M.P.), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 2-Bijeypur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sant Das to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/2/80(183)]

#### नई विल्ली, ७ भगस्त, 1981

आ०अ० 1209 — यसः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए ताधारण निर्वाचन के लिए उन्मीववार श्री हरिचरण लाल, मोति कटरा, सवलगढ़, जिला मुरैना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षिन अपने निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उनते उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ससफलता के लिए कोई कारण श्रमका स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के सिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः भवः, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भायोग एसव्दार। उक्त भी हरिषरण लाल को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा मध्या विधान परिषद् के सदस्य कुने जाने मीर होने के लिए इस मादेश की तारीख से लीन वर्ष की कालावधि के लिए निरक्षित शोधित करता है।

[सं० म०प्र०िक•स०/3/80(186)]

# New Delhi, the 7th August, 1981

O.N. 1209.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Haricharan Lal, Moti Katra, Sabalgarh, District Morena (M. P.), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative. Assembly held in May, 1980 from 3-Sabalgarh constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission is hereby declares the said Shri Haricharan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/3/80(186)]

# नर्ष विरुत्ती, 14 ग्रगरम, 1981

भाजभाव 1210—व्यतः, निर्वाचन ग्रामोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण सिर्वाचन के लिए ३०-घाणीरा निर्वाचन-केल से जुनाव सड़ने वासे उम्मीदक्षार श्री श्रणोक कुमार, निचला बाजार, कुमराज, जिला गुना (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा नद्यीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्राफल रहे है;

भौर यत', जनन उम्भीदबार ने, सम्बक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोषित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, जनन भिधिनियम की भ्रारा 10-क के अनुसरण में निर्धावन भायोग एतव्ज्ञारा जनत श्री अशोक कुमार की संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विभान मभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चून जाने और होने के लिए इस भावेग की तारीज से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[ন০ ন০স০-খি০ন০/30/80(194)]

#### New Delhi, the 14th August, 1981

O.N. 1210.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ashok Kumar, Nichla Bazar, Kumaraj, District Guna (M.P.), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 30-Chachaura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ashok Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/30/80(194)]

# नई दिल्ली, 18 मगस्त, 1981

भा०भं 1211.--या:, निर्वाचन द्यायांग का समाधान हो गया है कि सर्व, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए अध्यादारण निर्वाचन के लिए अध्यादारण निर्वाचन के लिए अध्यादारण कि लिए अध्यादारण के लिए अध्यादारण कि लिए अध्यादारण के लिए अध्यादारण कि लिए अध्यादारण

श्री मनोहर नाल मुं० पो० मंगावशी पुराना बाजाय, स्टेशन रोड़ जिला गुना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्राधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्मातन अयों का लेखा दाखिल करने में श्रमफल पहें हैं।

भीर यत', जनम उम्मीदबार ते, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अयदा स्पन्धीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रत यब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन अध्यांग एतद्वारा उक्त श्री मनोहर लाल का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अध्या विधान परिषद् के सदस्य चुन जाने और होने के लिए इन आदेश की नारीख से सीन वर्ष की कालायधि के लिए निरहित बोषित करता है।

| म॰ म॰प्र॰-वि॰स॰ | 34/80 (195) |

# New Delhi, the 18th August, 1981

O.N. 1211.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manohar Lal, Mokam and Post Mungaoli Purani Bazar, Station Road, District Guna (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative, Assembly held in May, 1980 from 34-Mungaoli constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi Manohar Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/34/80(195)]

# **नर्ह दि**ल्ली, 19 **मग**स्त, 1981

आंश्वर 1212 — यतः निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन केंग्र से चनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री बनवारी लाल, ग्राम तथा पोस्ट छुरी कलां, गृहसील कटधौरा, जिला जिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य श्रीवित्यम, 1951 तथा तञ्जीन बनाए गए नियमों द्वारा धपेकित रीति से धपने निर्वाचन श्र्ययों का लेखा दाखाल करने में धमफल पहे हैं;

भीर यतः, उक्त उभ्मीधवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण मही दिया है और निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके गाम इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भनः भनः, उसन धर्धिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन भागोग एनवृद्धारा उपन श्री बनवारी लाल को संसद के किसी भी भदन था किसी राज्य की विधान गन्ना अथना विधान परिषद् के सदस्य बने जान भीर होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाशिव के लिए निर्माहन धोषित करता है।

[#০ শ০স্তলাত্শত/14/80(45)]

## New Delhi, the 19th Augut, 1981

O.N. 1212.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Banwarilal, Village and Post Chhurikala, Tahsil Katghora, District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Janjgir constituency, has failed to ledge an

account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Banwarilal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/14/80(45)]

आ० अ० 1213— यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवर्ग 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए । 14-जांक्शीर निर्वाचन के लिए नाग्यण, सत्या सदन खपरा गंज, जुनिलाईन, बिलासपुर, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों हारा प्रपेक्षित गीत से प्रपर्न निर्वाचन ध्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं:

ष्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार, ने सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलना के लिए कोई पर्योष्ट कारण या न्यायौचिस्य नहीं है;

श्रतः यबः उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्राग उक्त श्री कज राज नारायण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होतं के लिए इस आदेश की नारीख से लीन वर्ष की काला-विध के निर्यहिन घोषिन बच्ना है।

[सं० म०प्र०-लां०स०/14/80(46)]

O.N. 1213.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Brajrajnarayan, Satya Sadan, Khaparganj, Bilaspur Juni Line, Bilaspur, District Bilaspur (M.P.), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Janjgir consituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Brajrajnarayan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Counil of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/14/80(46)]

# मई विष्यो, 20 द्ययस्य, 1981

आ०अ० 1214.—यतः, निर्वाचन आयोग का भमावान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विश्वान संभा के लिए राधारण निर्वाच के लिए 57-बानसूर निर्वाचन-अंब में चुनाव लड़ने घासे उम्मीद्धार श्री रामावतार शैनी, भकाम ब पास्ट अडीव, नहसील बहुरोड़, जिला धार्लवर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा नजीन बनाए गए पियमों द्वारा अपेक्षित रीनि में प्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दालिल करने में ग्रामफल रहे हैं;

भीर यथ , उन्न उम्मीदशस्य भे, सम्बक्त मुजना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण मथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और मिविधिन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य मही है;

श्रत. श्रव, उक्त श्रिश्तियम की धारा 10-क के श्रनुभरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री रामाधनार सैनी को मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कासाविध के लिए निरहिन घोषिस करता है।

[सं० राज वि०स०/57/80(141)]

New Delhi, the 20th August, 1981

O.N. 1214.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramawatar Sami, Village and Post Barrod, Tehsil Behror, District Alwar (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 57-Bansur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act. 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramawatar Saini to be disqualified for being, chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RI-LA/57/80(141)]

भा०आ० 1215.—यतः, निर्वाचन आयोगं का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साक्षारण निर्वाचन के लिए 145-धमलरी निर्वाचन केले से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवतार श्री पोइरंग राव, मराठपारा, पोस्ट धमलरी, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियमं, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमो द्वारा अमेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यथः, उक्त उस्भीदवार ने, सस्यक सूचना दिए जाने पर भी. इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निकंचिन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

ग्रात श्राब, उक्त अधिनियम की धार। 10-क के अनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री पाबुरंग राब को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की नारीख से सीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्यादित श्रोपित करता है।

[यं० **म**•प्र**-वि**•्षं०/ t 15/80 ( 196)]

O.N. 1215.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pandoorang Rao, Marahapara, Post Office: Dhamtari, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 145-Dhamatari constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justifiction for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pandoorang Rao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the

Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/145/80(196)]

नई दिल्ली, 24 प्रगस्त, 1981

श्राब्झव 1216,—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-विदिशा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदिशार श्री श्रोम प्रकाश कुन्दन लाल, स्वर्णकार कालोती, विविशा, जिला विदिशा (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमो द्वारा श्र्येक्षित श्रयने निर्वाचन व्ययों का कोर्ड भी लेखा वाखिल, करने में श्रमकल रहे हैं,

श्रीर यत , उक्त उम्मीदकार ने, सम्यक सूचना दिए आने पर भी, इस श्रमफलता ने लिए कोई कारण श्रमका स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है .

अतः अब, उन्त श्रधितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा उन्त श्री श्रीमश्रकाण कुन्दन लाख को ससद के किसी भी सर्वन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने अने और होने के लिए इस आवेण की नारीख से तीन वर्षे की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[स॰ म॰प्र॰-वि॰म॰/248/80(200)]

New Delhi, the 24th August, 1981

O.N. 1216.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Om Prakash Kundan Lal, Swarnkar Colony, Vidisha, District Vidisha (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 248-Vidisha constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Om Prakash Kundanlal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/248/80(200)]

चा०आ० 1217.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 251 ब्यावरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरिराम मोती राम, शंकर मार्ग, सुठालिया (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य प्रक्षितियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा खंबेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकल रहे हैं:

भौर यत' उक्त उम्मीवजार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पर्धीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकानना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायीजिस्य नहीं है;

ग्रतः पद्म, उनत ग्रिप्टिनियम की धारा 10-क के प्रनृहरण में निर्धाचन श्रायोग एतब्दारा उत्तत श्री हरिराम मोती राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान लेशा ग्राथबा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रारेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाबिश्र के लिए निर्राहत घोषिन करता है।

| स॰ म॰प्र॰-बि॰स॰/251/80( **२०**1)-]

O.N.. 1217.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hariram Motiram, Shankar Marg, Suthalia (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 251-Biaora constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hariram Motiram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. MP-LA/251/80(201)]

आं०अ० 1218:—यत: निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 260-मुमनेर निर्वाचन केल से खुनाय लड़ने वाले उम्मीदनार श्री देव करण कुलमी पाटीबार, निवासी ग्राम मौस्याखेडी परगना मुमनेर, डाकचर धरौला, जिला शांजापुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रधने निर्वाचन च्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यकं सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्षित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रवं, उक्त श्रिशितयम की धारा 10-क के ग्रन्सरण में निर्वाचन भागोग एतव्द्वारा उक्त श्री देवकरण कुलमी पाटीदार का मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा ग्रथवा विद्यान परिपद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इसी श्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषिस करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/260/80(202)]

O.N. 1218.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devkaran Kulmi Patidar, Resident of Village Mallayakhedi Paragana Susner, P.O. Dhraulla, District Shajapur, (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 260-Susner Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devkaran Kulmi Patidar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/260/80(202)]

#### न हे दिल्ली, 25 अगस्त, 1981

आ शां अ 12 19: — यनः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेण विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-- भूजालपुर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोरे लाल परमार, वार्ड नं० 11, मण्डी गुजालपुर, गाजापुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व घित्रियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमी द्वारा अधेशित प्रपन्ने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसंकल रहे हैं;

शौर यस:, अयत उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना विए आने पर भी. इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धावन श्राभोग एतव्हारा उक्त श्री गोरे लाल परमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शावन श्रोपल करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/25G/80(203)]

#### New Delhi, the 25th August, 1981

O.N. 1219.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gorelal Parmar, Ward No. 11, Mandi Sujalpur, Shajapur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 256-Sujalpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gorelal Parmar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/256/80(203)]

अंति भर्द 1220 — यतः, निर्वाचन घायांग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-शृजालपुर निर्वाचन-अंद्र से चुनाव नड़ने वाले उम्मीचवार श्री घा० मृन्सी लाल परमार, गायली मैडिकल हाल काला पीपल मण्डी, जिला गाजापुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

और यन, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलमा के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्याचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायोचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री डा॰ मुन्गी लाल परमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य कुने जाने ग्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए मिर्ग्हन घोषित करता है।

[मं० म०प्र०-**वि**०म०/256/80(204)]

O.N. 1220.—Whereas the Election Commission is satisfied that Dr. Munshi Lal Parmar, Gaytri Medical Hall, Kala Piple Mandi, District Shajapur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 256-Sujalpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said cancidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Dr. Munshi Lal Parmar to be disqualified for being chonsen as,

and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/256/80(204)]

आंश्वर 1221 — यन, निर्वाचन आगोण का नमाधान हो गया है कि गई 1980 में हुए मध्य प्रदेश निधान समा के किए साझारण निर्वाचन के निए 281-हरन्द (अरुअरुआर) निर्वाचन-केंद्र में धूनाब लड़ने बाले उस्मीदबार श्री काणी राम तुमला पटेल, लांगोटी पीर पटाजन, तहमील ह्रस्तूय, जिला खड्या (सध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेकित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

और यतः, उदत उम्मीदबार ने, सम्यकः सूचना बिए जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथका स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो। गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिस्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उकत भिधिनियमं की धारा 10-क के श्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्बारा उकत श्री काली राम मुमला पटेल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य भुने जाने श्रीर होने के लिए इम श्रादेश की नारीख से मीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषिन करता है।

[सं० म०प्र०-वि०म०/281/80(205)]

O.N. 1221.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kaliram Tumla Patel, Langoti Post Patjan, Tehsil Harsud, District Khandwa (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 281-Harsud (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the nolice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kaliram Tumla Patel to be disqualified for being chosen as, for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/281/80(205)]

# नई विल्ली, 26 अगस्त, 1981

आं आं 1222.— यत. निर्वाचन स्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 266—उज्जैन उत्तर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवबार श्री शिंग कान्त लोगी, 160-सिंहपुरी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेक्षित भ्रापने निर्वाचन व्ययों का कीर्ड भी लेखा दाखिल करने में समफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदयार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण महीं किया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायीकिया नहीं है;

भ्रतः भ्रम, उक्त श्रिभित्यम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एत्रमुद्रारा उक्त श्री शिक्षा कान्त जोशी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिभान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेण की सारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्माहत वौषित करना है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/266/80(207)]

New Delhi, the 26th August, 1981

O.N. 1222.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Shashikant Joshi, 160-Singhpuri, Ujjain (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 266-Ujjain North Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shashikant Joshi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/266/80(207)]

जाव 1223:—यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 9-भरतपुर निर्वाचन-क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राज-बहाबुर, वेववेब फोटो स्टूबियो, सर्राफा बाजार, भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रसिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीकृत प्रपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमुफल रहे हैं:

श्रीर यतः, जनत उम्मीदवार ने, सम्मकं सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलमा के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं भीर निर्वाचन श्रामोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलमा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रम. अब, उक्त भ्राधिनियम की घारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राजबहादुर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की बिद्यान सभा भ्रयवा विद्यान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस भ्रादेण की नारीख में सीन वर्ष की काला-विद्य के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[#० राज=लो०म०/9/80(34)]

O.N. 1223.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajbahadur, Dev Devphoto Studio, Sarafa Bazar, Bharatpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 9-Bharatpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajbahadur to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/9/80(34)]

क्यां जरें 1224.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 9—भरतपुर निर्वाचन-केल में चुनाय लड़ने वाले उम्मीववार श्री नम्बराम शर्मी बसोडिया, ग्राम शर्मेरा. गो० श्रकाटा, तहसील कामा, जिला भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्व ध्रियित्मम, 1951 तथा समुधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रमेकित रीति के श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा शिक्षण करने में ग्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः. उसन उम्मीदवार ने, तम्यंक सूचना दिए जाने पर भी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वालन भागोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौजित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रन, उसत प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री नन्दराम शर्मा की ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अभवा विधान परिषद् के सदस्य भूने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की मार्गस्व से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत धाषित करता है।

[मं० राभ-ला॰स०/५/80(35)]

O.N. 1224.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nandram Sharma Bajhodia, Village Bajhera, P.O. Akata, Tehsil Kama, District Bharatpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 9-Bharatpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nandram Sharma Bajhodia to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP|9|80(35)]

#### नई दिल्ली, 27 प्रगस्त, 1981

आ० अ० 1225.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-वयाना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम खिलाड़ी, ग्राम व पोस्ट सानुग्रा, जिला भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों ब्रारा ग्रपेकिय समय के ग्रन्यर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वास्तित करने में ग्रसफल रहे हैं ;

भीर यहः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथना स्पटीकरण नहीं विमा है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

धतः प्रथा उक्त प्रक्षिणियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन धायोग एतद्वारा उक्त श्री राम खिलाड़ी को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इन प्रादेण की तारीज से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं॰ राज-मो॰स॰ । 0/80 (36)]

#### New Delhi, the 27th August, 1981

O.N. 1225.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramkhiladi, Village and Post Sanuwa, District Bharatpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 10-Bayana constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Khiladi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/10/80(36)]

भा० भ० 1226.— यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-बयाना निर्वाचन केन्न से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विस्सा (कोली) ग्राम व पोस्ट महलपुरचूरा, तहसील रनवास, जिला भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दालिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीवयार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण महीं विया है श्रीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि जसके पास इस श्रम्सफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः स्रव, उक्त प्रिक्षितियम की धारा 10-क के प्रमुक्षरण में निर्वाधन भायोग एतद्वारा उक्त श्री विस्सा (कोली) को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीच से तीन वर्ष की कालाविधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं॰ राज-लो॰ स॰/10/80( 37)]

O.N. 1226.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bissa (Koli), Village and Post Mahalpurchura, Tehsil Ranwar, District Bharatpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 10-Bayana constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Bissa (Koli) to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP]10[80(37)]

का० अ० 1227.-यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-वयाना निर्वाच-कीज से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री बासी राम, ग्राम भूतावर, तहसील वैर, जिला भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफस रहे हैं ;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए आने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धनः ध्रवः, उक्तं प्रधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाधन ध्रायोग एतव्हारा उक्त श्री बासी राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस धादेश की तारीच से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० राज-लो०स०/10/80(38)]

O.N. 1227.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bassi Ram, Village Bhusawar. Tehsil Weir, District Bharatpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 10-Bayana constituency, has failed to ledge an account of from expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is saisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bassi Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/10/80(38)]

आर अ 1228—यन: निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 257-ग्लाना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री छत्तर सिंह मेवाड़ा. गिता नन्द राम मेवाड़ा. निर्वासी ग्राम कोहड़िया, तहसील एवं जिला शाजापुर, पोस्ट गुलाना (मध्य प्रदेण) लोक प्रतिनिधित्त्र ग्राधिन्यम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित रीनि मे अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफ़ल रहे हैं ;

ग़ौर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समोधान हो गया है कि उसके पाप इसं असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या ग्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिबिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त जो छनर जिह मेत्रा को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विज्ञान सभा अथवा विज्ञान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[स॰ म॰ प्र॰-वि॰म॰/257/80(209)]

O.N.1228.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhatar Singh Mewara. Father of Nandram Mewara, Resident Village Kohdia, Tehsil and District Shajapur Pest Gulana (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 257-Culana constituency, has failed to lodgt an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Chhatar Singh Mewara to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/257/80(209)]

आं अं 1229.—-यत', निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 251-व्यावरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाते उम्मीद-वार श्री भदौरिया विजय मिंह, ग्राम मलावर, जिला राजगढ (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित रीति से ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर गिर्वाचन द्राधीग का यह समाद्रात हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचने आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री भदौरिया विजय सिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहत घोषित करता है।

[मं० म० प्र०-वि० म० 251/80(210)]

O.N. 1229.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhadoria Vijay Singh, Village Malawar, District Rajgarh (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 251-Biaora constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhadoria Vijay Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

No. MP-LA/251/80(210)]

नई दिल्ली, 28 ग्रगस्त, 1981

ग्रा० ग्र० 1230-यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 119-मीपन निर्वाचन केले से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मनहरन. ग्राम तथा पोस्ट पोनमारा, तह्मील व जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधितयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन त्र्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ते. सम्यक पूचना हिए जाने पर भी, इस प्रगफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पत्नीकरण नही दिया है और निर्याचन द्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाम इन ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है :

श्रव. श्रव. उक्त श्रिधित्यम की धारा 10-क के श्रनुपरण में निर्दाचन श्रायोग एटव्हारा उक्त श्रो मनहरन की संपद के किही भी सदन के गा किसी जन्म को विवास सभा श्रवचा विधास परिष्य के पदस्य चुने जाने और रोने के लिए इस श्रदेश की नारीख ने नीन वर्ग की कालानिश्र के लिए निर्माहन घोषणा करना है।

[नद मरु प्रेर्ज्डिंग्सरु 119/80(211)]

# New Delhi, the 28th August, 1981

O.N..1230.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manharan, Viliage and Post Paunsara, Tehsil and District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Assembly held in May, 1980 from 119-Sipat constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Manharan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Panhament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/119/80(211)]

नई दिल्ली, 29 जनम्त, 1981

आ॰ अ॰ 1231 — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश निधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 122-चापा निर्वाचन-केल स चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जय देवागत, मुकाम व पोस्ट चापा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लाक प्रतिनिधित्य श्रितिथम 1951 नष्टा निशीन यनाए गए नियमों द्वारा श्रिपेक्षित रीति से श्रपंतिथम वयो। का लेखा क्षािक्षत फरने में असफल रहे है ,

श्रीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए फाई कारण ध्यता स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कोरण या न्यायीनित्य नहीं है;

भतः भ्रमं, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन भायीय एतद्द्वारा उक्त श्री जय देवांगन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होंने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स० 122/80 (214)]

New Delhi, the 29th August, 1981

ON. 1231.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jai Dewangan, Village and Post Champa, District Bilaspur, (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Assembly held in May, 1980 from 122-Champa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jai Dewangan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legisslative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|122|80(214)]

आ० अ० 12 32.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधाने हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 124-मालकरौदा (घ०जा०) निर्वाचन क्षेप्त से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री पूरल लाल जांगड़े, मकाम व पोस्ट प्रवंभार, तहसील सकती, जिला विलासपुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेका वास्त्रिल करने में घमफल रहे हैं ;

ग्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है;

चलः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री पूरन लाल जांगड़े को संसव के किसी भी सदन के वा किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने भौर होने के लिए इस भावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राष्ट्रत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि॰स० 124/80(218)]

O.N. 1232.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puranlal Jangde, Village & Post Adbhai, Tehsil Sakti, District Bilaspur (M. P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Assembly held in May, 1980 from 124-Malkhaioda (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People At, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Puranlal Jangde to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/124/80 (218)]

आं० आं० 1233.—यत. निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 124-नालखरौदा (प्र०जा०) निर्वाचन-क्षेप्त से जुनाव लड़ने वाले उस्मीदवार श्री बसन्त कुमार टडैयां, ग्राम व पोस्ट प्रडभार, तहसील सकती, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोग प्रतिनिधित्व प्रक्षितियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखाल करने में धमफल रहे हैं ;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा म्पप्टीकरण नही दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

श्रातः श्राव, उक्त श्राधिनियम की धारा 10-क के श्रानुभरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री बसन्त कुमार टडैया को ससद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस झावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[सं० म॰ प्र०-वि०स०/124/80 (219)]

O.N. 1233.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basant Kumar Tadaiya, Village & Post Adbhar, Tehsil Saktl, District Bilaspur (M. P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Assembly held in May, 1980 from 124-Malkharoda (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basant Kumar Tadaiya to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/124/80 (219)]

आ० अ० 1234.—यतः, निर्वाचन भायोग का समझान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए भाधारण निर्वाचन के लिए 124-मालकरौदा (भ्र० जा०) निर्याचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री देवागन्द, ग्राम व पोस्ट सेंवरी, तहसील सक्ती, जिला बिलानपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व भिधिनयम, 1961 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित रीति से भ्रपने निर्योचन स्थानें का लेखा वाब्बिल करने में भ्रमकल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उदन उम्मीददार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयता स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

ग्रनः प्रम, उक्त प्रिक्षितियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एनद्वारा उक्त श्री देवानन्द को संमद के किसी भी सदन के या किर्गा राज्य को विधान सभा श्रथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख में तोन वर्ष की कामावधि के निए निर्माहन घोषित कस्मा है।

[स० म० प्र०-वि० स०/124/80 (220)]

O.N. 1234.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devanand, Village and Post Sendri, Tahsil Saktı, District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 124-Malkharoda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devanand to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/124/80 (220)]

#### नई दिल्ली, 31 ग्रगस्त, 1981

आं अ0 1235 — यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 195-पेयान निर्वाचन-केल से चुनाव लक्ष्मे वाले उम्मीदवार श्री काल् घोंधीराम रनेवाले, धोरिकन, तालुक पेयान, जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिस्य ग्रिधिनियम, 1951 तथा नव्धीन काण् गए नियमो द्वारा धपेक्षिण अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है ;

श्रीर यतः उक्त उम्मीवबार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, आ ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विद्या है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

भनः ग्रब, उक्न भिधिनियम की बारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा उक्न श्री कालू घोंधीराम रनेवाले को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰ स॰/195/80 (175)]

# New Delhi, the 31st August, 1981

O.N. 1235.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalu Dhondiram Ranyewale, Dhorkin, Taluk Paithan, District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 195-Paithan constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the

Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalu Dhondiram Ranyawale to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA, 195/80 (175)]

भा० अ० 12 3 6.-- यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 195-पेथान निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदयार श्री बंसत पुजाजी नरवाई, रामनगर करान्ती चुक, धौरंगाबाद, जिला श्रीरंगाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, मन्यक सूचन। विए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथव स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोखिस्य नहीं है,

श्रंतः श्रंबं, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री बंमत पूजाजी नरवाड़े को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मना प्रथवा विधान परियद् के सदस्य श्रुने जीने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्सिटन घोषित करना है।

[मं॰ महा-वि॰ म॰/195/80 (176)]

O.N. 1236.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vasant Punjaji Narwade, Ramanagar, Kgrantichook, Aurangabad District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 195-Palthan constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vasant Punjaji Narwade to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/195/80 (176)]

आं का 1237.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हा गढा है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-कटणोरा निर्वाचन-केंत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवार श्री पिताम्बर लाल, मुकाम, पाली, पो वुरपा, तहसील कटणोरा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व मधिभिषम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए भियमों द्वारा ध्रपेक्षित प्रपने निश्नचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं ;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार, ने सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस मसफंलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है जीर निर्वाचन श्रासोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासीचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रवं, उक्त अधिनियम की धार। 10-क के भ्रानुसणर में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री पितम्बर लाल को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस ग्रादेण की तारीख मे तीन वर्ष की कामावधि के लिए निर्हित घोषिस करता है।

[सं० म० प्र०-वि० म०/108/80 (215)]

O.N. 1237.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pitamber Lal, Village Pali, Post Durpa, Tehsil Katghora, District Bilaspur (M.P.) a constesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 108-Katghora constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pitambar Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/108/80(215)]

आर अ 1238 — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान नभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-कटधोरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने याले उम्मीववार श्री ध्याम कार्निक, ग्राम माठी कुंडा, पो० पन्तोरा, नहसील कटधोरा, जिला बिलानपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा मत्यीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन श्र्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं ;

श्रौर यतः, उक्त उभ्मीदधार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलमा के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-कं के अनुसरण में निर्वाचन धारोग एतद्वारा उक्त श्री श्याम कार्तिक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयका विधान परिषद् के संबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन यर्ष की कालाविध के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/108/80 (216)]

O.N. 1238.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Kartik, Village Mathikunda, P.O. Pantora, Tehsil Katghora, District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 108-Katghora constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Kartik to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/108/80(216)]

आ। बार 1239.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गुंश है कि मई, 1980 में हुए सध्य प्रदेश विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-कटघोरा निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कामेश्वर सिंह बुडवेश कालें ली, पोरक्षा धाकी मोंगरा, जिला बिलामपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 ध्या नव्धीन धन.ए गए नियमों हारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं:

श्रीर यतः, उक्त उभ्मीदवार नै, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रासफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह ममाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

भतः भव, उपन अधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निवधिन भायोग प्तद्वारा उक्त भी कामेक्वर सिंह को संसद के किसी भी सदन के शा किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्सित घोषित करता है।

[सं**॰ म॰ प्र**०-वि॰ स॰/108/80 (217)]

O.N.. 1239.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kameshwar Singh, Ghuddewa Colony, Post Bakimongra, District Bilaspur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 108-Katghora constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kameshwar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/\*08/80(217)]

भा० भा० 1240.—-यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्छ, 1980 में हुए मध्य श्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 279-बागली निर्वाचन-केत्र से चुनाव लड़मे वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर सिंह छोटू भी, पोस्ट व ग्राम पृंजापुरा, तहसील बागली (मध्य प्रवेश) लोक श्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गये नियमों हारा प्रपेक्षित रिति से भ्रापने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रक्षक रहे है ;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

इ.त: प्राय, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुभरण में नियांचन भायांग एतद्वारा उक्त श्री ठाकुर सिंह छोटू जी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य पुने जाने भौर होने के लिए इस धारोग की नारीआ से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन घोषित करना हैं।

[सं० म० प्र०-वि० स०/279/80 ( 221 )]

O.N. 1240.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakur Singh Chotu Ji, Post and Village Punjapura, Tehsil Bagli (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Assembly held in May, 1980 from 279-Bagli Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakur Singh Chotu Ii to be disqualified for being chosen as,

and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-J.A/279/80(221)]

नई विल्नी, 2 सितम्बर, 1981

आं० अं० 1241.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 234-मिधी निर्वाचन-अंक से चुनाव लड़ने वाले उम्मीक्वार श्री मोसके यणमन्त रामा, तिलकनगर, तालुका श्रीराम पुर, जिला प्रहमदनगर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रमेकिन रीति से प्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भीर यत, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए भ्रम्यावेदन पर विचार करने के पण्चात् निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिन्य नहीं है;

मतः प्रवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भायोग एनवृद्धारा उक्त श्री मोसके यशमन्त रामा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद् के सवस्य कृते जाने और होने के लिए इस अर्थेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देहित घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰ स॰/234/80 (178)]

मावेश से,

धर्गवीर, ध्रवर मचित्र भारत निवक्ति ग्रायोग

New Delhi, the 2nd September, 1981

O.N. 1241.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mhaske Yeshawant Rama, At Post Tilak Nagar, Taluka Shrirampur, District Ahmednagar (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 234-Shirdi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mhaske Yeshawant Rama to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/234/80(178)]

By Order,

DHARAM VIR, Under Secy.

Election Commission of India.

#### ग्र**धिसूच**ना

नई बिल्ली, 8 सितम्बर, 1981

आ० अ०.५242—लाक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तयो का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन श्रायोग, गोवा, वमण एवं दीव सरकार के परामर्थ की यू० डा० शर्मा के स्थान पर श्री के० सी० जोहरे, आई० ए० एस०, मुक्य सचिव, गोवा, वमण एवं दीव को उनके कार्यभार सम्भालने की तारीख से श्रगले श्रावेशों नक गोवा, दमण एवं दीव राज्य के मुक्य निर्वाचन श्रिधकारी के रूप में एनदुद्वारा नामनिर्वेशित करना है।

[सं० 15 4/गोशा/81] भ्रावेश से, कें० गणेझून, सम्बद भारत निर्वाचन ग्रामीग

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th September, 1981

O.N. 1242.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Goa, Daman and Diu hereby nominates Shri K. C. Johorey, Chief Secretary to Goa, Daman and Diu, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Goa, Daman and Diu with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri U. D. Sharma.

[No. 154/Goa/81]

By Orders,

K. GANESAN, Secy.

Election Commission of India.